





# भाजपा सरकार बिजली दर में बढ़ोतरी वापस ले : महंत बिजली हाफ योजना बंद करना जनता से बेमानी है

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। विणासभा में नेता प्रतिक्रिया डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, प्रदेश में बिजली की कीमतों में प्रति वर्ष 20 पैसे की बढ़ोतरी ने आप जनता के साथ-साथ राज्य के किसानों की भी कमर तोड़ दी है। इस वृद्धि ने घरेलू उपभोक्ताओं, उद्योगों और सरबसे महत्वपूर्ण रूप से, कषी क्षेत्र को सीधे प्रभावित किया है, जिससे राज्य की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ऊर्जा विभाग सर्वय मुख्यमंत्री विष्णुदेव सर्वय के पास है। ऊर्जा विभाग के वर्तमान आकड़े अनुसार एकल बत्ती 15-लाख 16-हजार 283, कृषि पर्याप्त करेशन 5-लाख 94-हजार 277, एल.टी. (घरेलू) करेशन

63-लाख 45-हजार 448, एच.टी. (व्यवसायिक) करेशन 3-हजार 8-सौ 99 है।

**मूल्य वृद्धि का कोई ठेकाण कारण नहीं है**

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, यह वृद्धि तब हुई है जब छत्तीसगढ़ कोयला और पानी जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समुद्र है। हमन केवल अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि इन संसाधनों को आपृति दूसरे राज्यों को भी करते हैं। ऐसे में बिजली मूल्य वृद्धि का कैही दोस्त कारण नहीं दिखता, मर्हाई के इस दौर आप जनता आर्थिक बोझ से परेशन है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हमारी 'बिजली हाफ योजना'



को बंद करने से जनता पर आर्थिक बोझ की दोहरी मार पड़ी है। एक तरफ, बिजली की कीमतें बढ़ाई गई हैं, वहाँ दूसरी तरफ रियायती योजना को लगभग खत्म कर दिया गया है, जिससे आम नागरिकों और किसानों

को मुश्किलों और भी बढ़ गई हैं बिजली दरों में लगातार हो रही वृद्धि ने घरेलू बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है और छोटे व्यवसायों को लगात कई गुना बढ़ गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमज़ोर हो गई है। इस अप्रत्याशित वृद्धि से आम नागरिकों में भारी असंतोष है, बिंकंप राज्य की खाद्य सुरक्षा को भी खतरे में डालती है।

जीवन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है।

**किसानों पर प्रभाव**

श्री महंत ने कहा कि, कृषि प्रधान राज्य होने के नाते, छत्तीसगढ़ के किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए बड़े पैमाने पर बिजली दर लागू करा। किसानों के लिए कृषि पंथों पर विशेष सब्सिडी या रियायती बिजली दर लागू करे। राज्य में बिजली उत्पादन और वितरण प्रणाली में सुधार किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी वृद्धि को रोका जा सके।

## दस सालों में पहली बार होगी सितंबर में मानसून की विदाई

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। प्रदेश में कई तीन माह तक बरसे मानसूनी बाढ़ोंने ने अब विदाई की राह पकड़ ली है दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई का शुरुआत पश्चिमी राजस्थान से 15 सितंबर से होने की संभावना है। इस वर्ष मानसून की विदाई की शुरुआत पिछले 10 सालों में पहले होने की संभावना बन रही है।

मौसम विभाग के अनुसार एक निम्न दाब का क्षेत्र पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश-दक्षिण तटीय उड़ीसा के ऊपर स्थित है तथा इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके पश्चिम उत्तर पर अग्रवाल दर्हा हुए दक्षिण उड़ीसा और उपरोक्त लगे उत्तर आंध्र प्रदेश तथा दक्षिण छत्तीसगढ़ में अग्रवाल दो दिनों में पहुँचने की संभावना है। मानसून द्रीणिका माध्य समुद्र तल पर श्रीगंगानगर, रोहतक, सिवनी, ऊंचाई तक विस्तारित है।



प्रदेश में आज हल्की से मध्यम वर्षा होगी

प्रदेश में कल 14 सितंबर को अधिकारी स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गर्ज चमक के साथ छोड़ी पड़ने की संभावना है।

प्रदेश में एक दो स्थानों पर गर्ज चमक के साथ बज्जपात होने तथा भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः संयुग्म समुद्र तक जिले और बस्तर संभाग के जिले संभावित है।

## शेयर ट्रेडिंग के नाम पर रायपुर में लाखों की ठगी

दो महिलाओं ने ट्रायपोर्ट को ठगा

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। शेयर मार्केट में निवेश पर चार गुना मुश्किल देने का जांसा देकर राजधानी के ट्रायपोर्टर डॉक्टर भाक्ष्म सिंह से 71.50 लाख की अँनलाइन ट्रायी हो गई ट्रायपोर्टर की सोशल मीडिया में श्रेय नाम की युवती से दोस्ती हुई उसने शेयर मार्केट की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

अब पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिससे उसके ने जांच शुरू कर दी है जैसे माघरों में सरक्षिती नगर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक कोटा निवासी डॉक्टर भाक्ष्म सिंह 47 का ट्रायपोर्ट का कारोबार है जून में उनके

सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रेय अग्रवाल की प्रैंपरिच्छे से दोस्ती हुई उसने शेयर मार्केट की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

जराएं लापरवाही,

पीड़ित ने जांचांजी ले सकती हैं

ट्रायपोर्ट कारोबारी की कहानी उन तमाम लोगों के लिए चेतावनी है जो सोशल मीडिया पर आए निवेश के अप्स को सच मान लेते हैं ठग पहले भरोसा तांडों की चाल थीं परिफर्म ऑनलाइन कॉन्फ्रेक्ट साइन करावाकर कारोबारी से दो अगस्त से 31 अगस्त के बीच अलग अलग खातों में 52 लाख रुपए और जमा करा लिए रकम वापसी मंगी तो पेनाल्टी की बात कहकर टालते हैं रहे हाथी और इसके बारे में युवतीयां बार-बार टैक्स जमा करने का अहसास हुआ।

दूसरी बार में छह लाख देकर

भरोसा जीता

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि पहली टांग के कुछ दिन बाद एक

सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रेय अग्रवाल की प्रैंपरिच्छे से दोस्ती हुई उसने शेयर मार्केट की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

युवती की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

युवती की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

युवती की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

युवती की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

युवती की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

युवती की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भी भेजे और ट्राय



# साहित्य



# अतीत की विरासत, वर्तमान की शक्ति और भविष्य का स्वप्न

## ■ महिमा सामंत

**हि**न्दी के बहुत एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान, एकता का सूत्र और जनमानस की आत्मा है। यह वह माध्यम है जिसमें संतों की वाणी, कवियों की भावनाएँ, कथाकारों की दृष्टि और स्वतंत्रता सेनानियों का जोश एक साथ बहता है। हिन्दी दिवस, जो प्रतिवर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है, हमें इस भाषा के ऐतिहासिक महत्व और भविष्य की संभावनाओं की याद दिलाता है। 1949 में संविधान सभा द्वारा हिन्दी को देवनागरी लिपि में राजभाषा का दर्जा दिया जाना न केवल प्रशासनिक निर्णय था, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता का सांस्कृतिक प्रतीक भी था।

हिन्दी की जड़ें बहुत गहरी और विस्तृत हैं। इसका विकास संस्कृत, प्राकृत और अपन्नी से होते हुए मध्यकाल में अवधी, ब्रज और खड़ी बोली जैसे स्वरूपों में हुआ। भावित युग में कवी, तुलसीदास, सूरदास औं भीरा बाबू जैसे कवियों ने इसे जन-जन की भाषा बनाया। अधिनिक काल में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और प्रेमचंद ने इसे सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उडन्त मार्टण्ड जैसे अखबारों ने हिन्दी को एक नई दिशा दी। स्वतंत्रता अंदोलन में महानाम गांधी ने हिन्दी को 'जन-संपर्क की भाषा' बताते हुए इसे अंदोलन के केंद्र में रखा, जिससे यह राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन गई।

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में पारित प्रस्ताव ने हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया। अंग्रेजी को 15 वर्षों तक सह-भाषा बनाए रखने का निर्णय भी लिया गया, ताकि प्रशासनिक कामकाज में सुन्तुल बना रहे। यह एक दूरदर्शी नीति थी जिसने बहुभाषी भारत में एकता और कार्यकुशलता

को सुनिश्चित किया। हिन्दी दिवस इस ऐतिहासिक घटना का स्मरण मात्र नहीं, बल्कि भाषा के विकास और प्रसार के प्रति नए संकल्प का अवसर है।

आज हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत के अलावा नेपाल, मार्यानास, फिजी, त्रिनियाद-टोबोगो, गुयाना, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका में भी हिन्दी बोलने वाले

तकनीक ने हिन्दी को नई गति दी है। ई-लैनिंग और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में हिन्दी में पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

अनुवाद तकनीक हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय संवाद से जोड़ रही है। नई पीढ़ी के लिए हिन्दी के सम्मने कछु चूनीतांयं भी हैं। अंग्रेजी के बढ़ते प्रभुत्व और शहरी क्षेत्रों में भी हिन्दी बोलने वाले

चाहिए। विदेशों में हिन्दी अध्ययन केंद्रों की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके शिक्षण-प्रशिक्षण को बढ़ावा देना भी ज़रूरी है।

हिन्दी दिवस को केवल औपचारिक भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित न रखकर इसे रचनात्मक और प्रभावशाली तरीकों से मनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, 24 घंटे का ऑनलाइन 'हिन्दी डिजिटल मेराप्रश्न' आयोजित किया जा सकता है, जिसमें देश-विदेश के हिन्दी लेखक, पत्रकार और अंतर्राष्ट्रीय जुड़ें। वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों के हिन्दी रूप खोजने की प्रतियोगिताएँ भाषा को आधुनिक संदर्भ में समृद्ध करेंगी। हिन्दी आधारित एस्प और डिजिटल टूल्स के प्रदर्शन के लिए 'हिन्दी इनोवेशन फेयर' आयोजित किया जा सकता है। अन्य भाषाओं के प्रसिद्ध अंदर्भुतों का रचनात्मक हिन्दी अनुवाद करने की गतिविधि भी रोचक होगी। युवाओं को आकर्तिक केंद्रों के लिए हिन्दी में मीम प्रतियोगिता है। पुस्तकालयों, कॉलेजों और लॉबों में हिन्दी पुस्तकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है। इसके साथ ही, उद्यमियों को केवल हिन्दी में अपने विचार प्रस्तुत करने का मौका देकर व्यवसायिक जगत में भी हिन्दी का उपयोग बढ़ाया जा सकता है।

तकनीकी शब्दावली में एक रूपता की कमी भी एक बाधा है। लेकिन अवसर

हिन्दी की जड़ें बहुत गहरी और विज्ञान भारतीय बाजार के सबसे बड़े उपभोक्ता वर्ग तक पहुँचते हैं। फिल्मों, टीवी, और सोशल मीडिया ने हिन्दी को वैश्विक दर्शकों में हिन्दी माध्यम के पाठ्यक्रम और शोध कार्य उपलब्ध हो रहे हैं।

हिन्दी के केवल साहित्यिक मंचों पर नामांकित कार्यक्रम परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उडन्त मार्टण्ड जैसे अखबारों ने हिन्दी को एक नई दिशा दी। स्वतंत्रता अंदोलन में महानाम गांधी ने हिन्दी को 'जन-संपर्क की भाषा'

बताते हुए इसे अंदोलन के केंद्र में रखा, जिससे यह राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन गई।

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में पारित प्रस्ताव ने हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया। अंग्रेजी को 15 वर्षों तक सह-भाषा बनाए रखने का निर्णय भी लिया गया, ताकि प्रशासनिक कामकाज में सुन्तुल बना रहे। यह एक दूरदर्शी नीति थी जिसने बहुभाषी भारत में एकता और कार्यकुशलता

हिन्दी के केवल साहित्यिक मंचों पर नामांकित कार्यक्रम परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उडन्त मार्टण्ड जैसे अखबारों ने हिन्दी को एक नई दिशा दी। स्वतंत्रता अंदोलन में महानाम गांधी ने हिन्दी को 'जन-संपर्क की भाषा'

बताते हुए इसे अंदोलन के केंद्र में रखा, जिससे यह राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन गई।



## बीड़ी

### ■ विनोद दास

कान पर रखो अधजली बीड़ी

वह अपने दाएँ हाथ में लेता है और बेचैनी से इर्द-गिर्द देखता है

वह बेद परेशान है उसे आस-पास कर्हीं आग दिखाई नहीं देती

और मैं चकित हूँ कि आग उसके भीतर है

और वह उसे देख नहीं पा रहा है दोष उसका नहीं है

मैं सोचता हूँ वक्त इतना खुराक आ गया है

और चम्के इतनी अस्पृश हो गई है वह भला क्या

किसी की भी आँखों में मोतियांबिंदि जिसने क्या किया है

सहसा एक सुख्ख बिंदी दिखाई देती है वह उसकी तरफ रफ्तार

किंतु सिंगरेट को देखते ही

उसके हाथ की बीड़ी डट्कर

उसकी उँगलियों से और अधिक सट जाती है यह ठंड की रात है

और ठंड बीड़ी के तंबाकू तक पहुँच गई है

सामने से बीड़ी पीता एक आदमी आता है अधजली बीड़ीवाला उसे रोकता है

बीड़ी से बीड़ी मिलती है



आग से आग फैलती है

मुझे लगता है जैसे गुच्छपुक कोई तैयारी चल रही है

अब बीड़ियाँ सुलग गई हैं और चम्के रही हैं अंधेरे में

### गमछे की गंध

#### ■ ज्ञानेन्द्रपति

गु. स

संकेत

चोर का गमछा

छूट गया जहां से बक्सा उठाया था उसने,

वहाँ एक चौकर शून्य के पास

गेंदुरियाया-सा पड़ा चोर का गमछा

जो उसके मुंह ढंगने के आता काम

कि असूर्यमया वशुर्-जब, उचित ही, गुम हो गई हैं इतिहास में

चोरों ने बगुचिकल बचा रखी है मर्दाना

अपनी ताड़ी निगाह नीची किए

देखते, आंखों को मैलनेवाले

उस गर्दुखों अंगोंचे में

गंध है उसके जिसकी

जिसे सूध/पुलिस के सुधारिनिया कुत्ते

शयद उसे ढूँढ निकालते

दिसियों की भीड़ में

हमें तो उसमें एक कामगार के पसीने की गन्ध मिलती है

खट्टमट्टी

हम तो उसे सूध/केल एक भूख को

बेसंभाल भूख को

ढूँढ़ निकाल सकते हैं

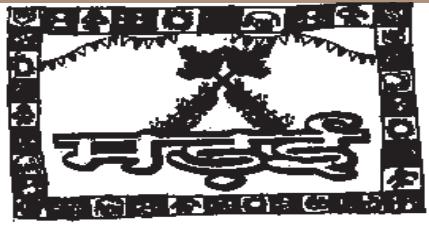


### दो ग्रजलें

#### ■ दिल अर्यूबी

रह गया ख्रावाब-ए-दिल-आराम अधूरा किस का ढल गई शब्द तो खुला है ये दरीचा किस का

लम्हा लम्हा मुझे वीरान किए



## हाना

दूबर ल दू आषाढ़  
कमजोर परिस्थिति के मनसे बर जादा खर्च बाढ़ जाये। एक तो आषाढ़ म पानी जादा गिराये ऊपर दू आषाढ़ पर जाये तेकर बर ये हाना ल कहे जाये।

रायपुर, रविवार 14 सितम्बर 2025

## हिन्दी दिवस अंत्रिमा फार्मूला- एक चिंतन!

ज

ब ले महाराष्ट्र म हिन्दी के बहिष्कार करे गए हैं-  
-एक सवाल उठत है- -वो कि एक राज्य ले दूसरे राज्य में जाओ त कोन भाषा म गोटियावो ?  
का हम मराठी, वांगाली, तमिल- -सभो भाषा म गोटियावो ?

सभो भाषा ल एक संग कईसे सिखोवो ?

कोई एक भाषा ह सभो ज्ञन ला जोड़ सकथे। अउ ओ भाषा ह हिन्दी आय। पुणे देश म घोपे पिरे बर, जोड़े बर एक ठन सरल सीधा भाषा होना चाही। वो भाषा ह केवल हिन्दी ह हो सकथे। तब राजनीति म एक राष्ट्रभाषा बर, राजनीति म अतेक दावपेंच काबर करे जात हावय।

सोज बात ये, हिन्दी राजभाषा/राष्ट्रभाषा ह अनिवार्य भाषा आय, --अंग्रेज उच्च शिक्षा बर जरूरी आय, अउ छत्तीसगढ़ी ह हमर मातृ भाषा आय, जेला शाला म एक भाषा के रूप म अनिवार्य रूप म पढाये जाना हो आखिर शिक्षा विभाग म बढ़ाये मनसे काम काय सोच के लेला लागू नइ करत हावय। येखर ऊपर चिंतन करना जरूरी हावय।

छत्तीसगढ़ी म अब लेखन बहुत होवा हो (ओखर)। व्याकरण तैयार है। हिन्दी ह बड़े बहिनी आय अउ सभो जेपदीय भाषा मन छोटे बहिनी आय। सभो जेपदीय भाषा ल अपन अपन प्रदेश के शाला मा पढाये जाना चाही, लइकामन माइ भाषा म बने सीखें, जल्दी सीखें हाई स्कूल मा एक विषय के रूप मा पूरा साहित्य, ईतिहास, भूगोल पढाना चाही। राज्य बने के बाद स्कूल मा 'हमरा छत्तीसगढ़' पुस्तक चलत रहिस है। वो ह छत्तीसगढ़ी सीखे बर बहुत उपयोगी पुस्तक रहिस। औपसे फेर चालू कर देना चाही।

अभी तो हिन्दी दिवस खातिर सोचन कि हिन्दी ल केंद्र ह राष्ट्रभाषा चोपित करे दे अउ हमन देश म एकता बनाये रखन। अखण्ड भारत बर जरूरी हे राष्ट्रभाषा हिन्दी।

-सुधा वर्मा

## 17 सितम्बर बिस्वकरमा जयंती बिशेश सोन नगरी लंका- तिरसूल- सुदरसन चक्र के बनाईया

र

यपुर ले विलासपुर बस म बड़ठ के जावत रहयं। तभे सिमगा पहुंचत पहुंचत बस इंजन म कूदू खाराबी आगे। ड्राइवर हर पाना पौंचस ल धर के इंजन ल सुधरे लागिस। कन्डेक्टर हर बताइस कि सुधरे म आधा धंदा लग सकत है। तब में हर बस ले उतर गेवं। तभे देखवं कि आशूच म बने पडाल म भगवान बिस्वकरमा जी बिराजमान हैं। उंखर तीर म जाके पावं पैलगी करेवं अउ बोलेवं- आप ल तो कल पुरजा, मसीन के भगवान कहे जाये। बतावत तो भला का नराजगी होगे जेमे हमर बस के इंजिन ल बिगाड़ देहे हव जी।

मोर सवाल ल सुन के बिस्वकरमा जी खलखला के हांसत बोलिन- सुन बिजय बाबू, मनसे के जिनारी म तरकी के बर में किसिम किसिम के कल- पुरजा- औजार बनाय हवं। फेर मनसे तो दिन ब दिन मसीन के गुलाम- दास बनत कामचोर- आलसी होवत जात है। अइसने है आदत के चक्रर म डायभर हर बस इंजिन के बने देख- रेख करत बेरा बेरा म तेल पानी नी डारिस होही त बस बिगाड़कर है।

अच्छा अच्छा- ए बात है। कहत में बात ल बिहावत बोलेवं- आजो तो दुरिया भर म बिस्वकरमा जयंती मनावत है। त है देव, आप ल जनम दिन के गंज अंकन बधाई- देवत बिनती करत हवं अपन जनम जिनारी के कथा ल बिहावत न।

तब बिस्वकरमा जी मोला आसोस देवत

## शब्द अर्थ

- छंदिङा- छानने वाला। फंसने वाला, बांधने वाला
- छंदई- छानने या बांधने की क्रिया या भाव
- छंदनी- छानने, फंसने या बांधने का खर्च या परिश्रम
- छंदना- छानने के लिए प्रयुक्त वस्तु फंसना,

- बंधना
- छंदनी-छंदना
- छंल- छाना हुआ, फंसा हुआ
- छंद- छानने, फंसने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने वाला
- छंदवृद्ध- छानने, फंसने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने की क्रिया या भाव
- छंदवृनी- छानने, फंसने या बांधने के लिए

- दूसरे को प्रवृत्त करने का खर्च या परिश्रमिक
- छंदवा- छाना हुआ, शुद्ध किया हुआ, फंसा हुआ, बंधा हुआ।

## 17 सितम्बर बिस्वकरमा जयंती बिशेश

## सोन नगरी लंका- तिरसूल- सुदरसन चक्र के बनाईया

बताइन- संसार के रंचोइया भगवान ब्रह्मजी के बंसज हमर कुल खानदान हर आए। मोर ददा वासुदेव अउ दाई अंगिरसी आय। दू ठिन आखर

न। कहत में पूछेंव।

तब बिस्वकरमा जी थोरिक देर आंखी ल बंद करके सोंचे के पालू बताइन- किसन के द्वारिका नगरी, पांडव के हस्तिनापुर अउ माया सभा इंद्रप्रस्थ, रावन के सोनगारी लका, पुष्पक ज हाज, बिस्तु के सु दर सन चक्र, भालानाथ के तिरसूल, इन्द्र देव वे बज असन कतको नगर, महल, औजार, अस्त्र-सूत्र, ल मही बनाए हव। भूलोक म बढ़ाय, सोनर, लाहार, कसर, मूरतीकार, कोहार मन हर मोरे बंसज आए।

बदलत बेरा संग बादल गियान- बिग्यान के बूता कलतकोन नवा नवा जीनिस दुनिया म बनत जावत है। फेर ओखर मूल म मोर संग संग ओखर ले देवी वे राखेथे ते हरधार पाप के भागीदार होथे। समझे न।

सही बात कहे हव प्रभु जी कहेव तभे बस हर घर घर करत चालू होगे। कन्डेक्टर तको चलो चलो चिलाए लागिस। औला सुनके बिस्वकरमा जी के पांच वरक बिदा लेहें। अउ धरा रपटा दउंडत जाके बस म बिड़ठ गेवं।

विजय मिश्रा 'अमित'

अग्रोहा कॉलोनी रायपुर

## चेंदरू- 18

गंल म चेंदरू ला बघवा संग खेलत देखु... गाँव के मन घला... बघवा तो बघवा नड होय। बघवा तो बघवा

आय... जंगली जानवर के कतोक भरोसा... तेकर सेती अकेला दुकेला गात बिकाल के बालू बालू जाय बर गोड़ नइ उच्च

कटाय लागिस। बघवा के माड़ा के मुँह म पथरा मढ़ा दिन। बघवा नान जंगली जानवर के डर रहय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।

पहिली कम्भ कम्भ... गाँव म हुर्ही चितवा खुलाय जाय अउ छेरा पठर कूकरी ला धर के लेग जाय।</p





सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
बैंडेल	3.67 प्रतिशत
बजार फाइंडेंस	3.41 प्रतिशत
बजार फिनर्म	2.38 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.64 प्रतिशत
मारुति सुजुकी	1.51 प्रतिशत

## सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

इटरनल	2.01 प्रतिशत
विदुतान यूनिलिवर	1.43 प्रतिशत
ट्रेट	0.79 प्रतिशत
टाइटन	0.61 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.51 प्रतिशत

## सरफा

दिल्ली	
सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,09,097
गिरु	88,730
मिनी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (फिलो) टंच हाजिर	1,24,499
घायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
विकावाली	880

## मुद्रा विनियम

मुद्रा	क्रम	विवर
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्ट्रिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
जीन युआन	8.4	13.63

## अनाज

देशी गेहूँ अपीली	2400-3000
गेहूँ दाल	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
बोकर	2000-2100

## मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जी	1430-1440
काशुली बना	3500-4000

## शुगर

बीनी एस	4280-4380
बीनी मम	4500-4600
मिल डिलेसी	3620-3720
गुड	4400-4500

## दाल-दलहन

कना	5700-5800
दाल घना	7965.22
मसूर काली	8170.57
उड़द दाल	10438.89
मूंग दाल	10095.60
अरहर दाल	10644.93

## [अर्थ जगत]

## भारत ईयू के साथ एफटीए के लिए प्रतिबद्ध : गोयल

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत इस वर्ष यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ



नारात तेजी से वैटिक अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख इंजन बन रहा है :

नारेस सेपकोविक

एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 2025 तक इस समझौते को पूरा करने के लिए हम अपने प्रयासों बढ़ा रहे हैं। और सेपकोविक से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के 13वें दौर में अपको मेजबानी करना हमारे लिए खुशी की बात थी। हम दोनों पक्षों के लिए एफटीए व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक्सप्रेस व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त और एफटीए के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सेपकोविक ने पहले पोस्ट किया था कि एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स में कटौती का व्यापक सुधार है और अपको एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी रेट्स के लिए एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्वपूर्ण संधि बनाए रखना चाहिए।

एक्सप्रेस व्यापार के साथ एक महत्व

आसमानी लहंगे में सजी आमना  
शरीफ, हर अदा में झलका 'फिटूर'

**मुंबई**, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड की मशहूर एट्रेस आमना शरीफ अपने स्टाइलिंग और पारपरिक लुक के लिए पहचानी जाती हैं, और इस बारे में अपने लुक से सभी को दिल जीत लिया है। आमना ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खबरसूत तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसने उनके फैंस और फॉलोअर्स के बीच काफी चर्चा बढ़ायी है। तस्वीर में आमना शरीफ आसमानी रंग के लहंगे में नजर आ रही है, जो उन्हें शाही और अकर्धक लुक दे रहा है। इस लहंगे के साथ उन्होंने एक नेट का प्रौद्योगिक लिया हुआ है, जिस पर गल्फन जरी एक काम है। उन्होंने माथे पर मांग दीका, कानों में भारी छुके और हाथों में लहंगे से मैच करती छुड़ियां पहनी हुई हैं। साथ ही अपने बालों को हल्के बेब्क के साथ स्टाइल किया है, जिससे एक साफ और नेचुरल लुक उभर जाने आ रहा है। हल्का आई मेंकअप और ग्लोइंग स्लिंग टोन के साथ उन्होंने अपने मेंकअप को लाइट रखा है। इस फॉटो के साथ उनके कैप्शन भी काफी दिलचस्प है। उन्होंने कैप्शन में 'फिटूर' शब्द का इस्तेमाल किया है, जो उनके इस लुक के पीछे के जन्मावत को गिरावट का कारण बन सकता है। बता दें कि आमना ने अपने बालों को भी उत्तम मार्डिंग के जरिए की। उन्हें कॉलेज के दीरान ही ब्राउ विशालानी और म्यूजिक वीडियो के आंफर मिलने लगे थे और अभिजीत भट्टाचार्य के पॉपुलर वीडियो 'चलन लगी हैं हवाएं' से उन्हें पहली पहचान मिली। इसी दीरान एकता कपूर के शो 'कहीं तो होगा' में उन्हें कशश का रोल मिला, जिसने उन्हें रातों-रात स्टर बना दिया। राजीव खड़ेलवाल के साथ उनकी कैमरी और शानदार एफिंग ने देशकों को दिल जीत लिया। वह शो 2000 के दौरान के सबसे ताज़े फिल्मों में शामिल रहा। दीकों की सफलता के बाद आमना ने फिल्मों की ओर खुल किया। वह 'आलू चाट', 'जी विश करों', और 'एक बिलेन' जैसी फिल्मों में नजर आई। 2013 में उन्होंने प्रोड्यूसर अमित कपूर से शादी की और 2015 में बेटे के जन्म के बाद एकिंग से कुछ समय का ब्रेक लिया।



# कृत्रिम मिटास का याददार पर असर

■ शोधकर्ताओं ने 12,000 मरीजों का किया विश्लेषण

■ चीनी के सेवन से सोच और याददार में करेब 62 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। एक अध्ययन में दिया किया गया है कि कृत्रिम मिटास या कम या बिना कैलोरी वाले मिटास वाले पदार्थों का लंबे समय तक उपयोग, जो मुख्य रूप से मधुमेह रोगियों द्वारा उपयोग किया जाता है, संज्ञानात्मक कृत्रिम मिटास का गिरावट का कारण बन सकता है।

जारी की गई एक अध्ययन के अनुसार यह कृत्रिम मिटास का विश्लेषण किया जा रहा है कि आमना ने अपने बालों को भी उत्तम मार्डिंग के जरिए की। उन्हें कॉलेज के दीरान ही ब्राउ विशालानी और म्यूजिक वीडियो के आंफर मिलने लगे थे और अभिजीत भट्टाचार्य के पॉपुलर वीडियो 'चलन लगी हैं हवाएं' से उन्हें पहली पहचान मिली। इसी दीरान एकता कपूर के शो 'कहीं तो होगा' में उन्हें कशश का रोल मिला, जिसने उन्हें रातों-रात स्टर बना दिया। राजीव खड़ेलवाल के साथ उनकी कैमरी और शानदार एफिंग ने देशकों को दिल जीत लिया। वह शो 2000 के दौरान के सबसे ताज़े फिल्मों में शामिल रहा। दीकों की सफलता के बाद आमना ने फिल्मों की ओर खुल किया। वह 'आलू चाट', 'जी विश करों', और 'एक बिलेन' जैसी फिल्मों में नजर आई। 2013 में उन्होंने प्रोड्यूसर अमित कपूर से शादी की और 2015 में बेटे के जन्म के बाद एकिंग से कुछ समय का ब्रेक लिया।



चीनी का सेवन करने वालों में ऐसा नहीं देखा गया।

एस्स में न्यूरोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. मंजरी त्रिपाठी ने बताया कि हम जानते हैं कि चीनी और चीनी के विकल्प मधुमेह और घातक बीमारियों के जीविम को बढ़ाते हैं। ये मास्तक की संवर्धन को शिथिलता की ओर बढ़ाते हैं। उन्होंने इसके इस्तेमाल को सीमित करने की सलाह दी।

अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने ज्यादा मात्रा में चीनी का सेवन किया, उनकी सोच और याददार में करेब 62 प्रतिशत गिरावट है।

कृत्रिम मिटास का सामान्य मात्रा में सेवन किया, उनकी याददार और सोचने की क्षमता में 35 प्रतिशत की तेजी से गिरावट आई, और मौखिक प्रवाह में 110 प्रतिशत की तेजी से गिरावट आई। अधिक सेवन करने वाले समूह में, याददार की कैमरी और सोचने की क्षमता में 173 प्रतिशत की गति से गिरावट आई। शहर के एक अस्पताल

के न्यूरोलॉजी विभाग की उपाध्यक्ष डॉ. अंशु रोहदगी ने कहा कि मधुमेह रोगियों में सबसे अमर तौर पर देखा जाने वाला यह प्रभाव चिंता के प्रयोग है। रोहदगी ने बताया कि इन विकल्पों के उत्तरात संपर्क में रहने से मस्तिष्क अधिक सेवनशील हो सकता है। रोहदगी ने बताया कि ये कृत्रिम मिटास तीक्रका-सूजन पैदा कर सकती हैं, और यह संज्ञानात्मक गिरावट (कोमेटिव डिक्लोइड) का एक कारण हो सकता है। दूसरा कारण यह हो सकता है कि यह आंत के माइक्रोबायोम को बदल रही है।

चेन्नई स्थित मद्रासा डायरीबीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) द्वारा 2024 में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि कॉफी और चाय जैसे निकै पेय वर्षार्थों में टेबल शगर (सुक्रोट) की जाह थोड़ी मात्रा में क्रान्तिकारी और कृत्रिम मिटास तीक्रका-सूजन पैदा कर सकती है। डायरीबीज थेरेपी प्रतिक्रिया में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने ज्यादा मात्रा में चीनी का सेवन किया, उनके सोच और याददार में करेब 62 प्रतिशत गिरावट है।

## त्वचा को चमकदार बनाता है विटामिन ई

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो शरीर को सिर्फ बीमारियों से ही नहीं बचते, बल्कि हमें बाहर से भी सुंदर और जवान बनाए रखते हैं। विटामिन ई ऐसा ही एक जरूरी पोषक तत्व है। यह शरीर में चर्बी वाले समूह में जमा होता है और लंबे समय तक असर करता है।

नई दिल्ली, 13 सितम्बर (एजेंसियां)। हम जो खाना खाते हैं, उसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन पोषक तत्वों में कुछ ऐसे भी



# प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का सपना करेंगे पूरा : मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय डैंटल कॉफेस का किया शुभारंभ
- मानव मुक्कान को सुरक्षित रखने और सहेजने में दंत चिकित्सकों की भूमिका महत्वपूर्ण

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय डैंटल कॉफेस 2025 का किया शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ हम विकसित छत्तीसगढ़ का सपना साकार करेंगे। पिछले 20 महीनों में प्रदेश की स्वास्थ्य अधिसंचालन को मजबूत करते हुए दुर्गम अंतर्लोक तक स्वास्थ्य सेवाओं का पहुंचाने का कार्य हमारी सकार ने किया है।

मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित तीन दिवसीय डैंटल कॉफेस 2025 का शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दंत विकारों की देखभाल को देख लिया तथा जुड़े उपयोगी उक्तकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा डैंटल पर्सोनेल की वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार बनने के पहले दिन से ही हमने प्रदेशवासियों के

स्वास्थ्य को मर्दोंच्च प्राथमिकता दी है। प्रदेश में पांच नई मेडिकल कॉलेजों की स्थीकृति दी गई है, साथ ही फिजियोथेरेपी, नर्सिंग और मदर-चाइल्ड हॉस्पिटल जैसे संस्थानों की स्थापना को जा रही है।

उहोंने कहा कि स्वास्थ्य छत्तीसगढ़ के साथ ही हम प्राप्ति की भी बात कर रहे हैं।

उहोंने बताया कि डैंटल में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विसराहा हुआ है। वर्ष 2000 में जहां के बल एक डैंटल कॉलेज आया ताकि 15

मुख्यमंत्री ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पान मसाला, गुड़खा और तंबाकू की बजह से मूँह के कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उहोंने कहा कि

दाँतों की देखभाल और सुंदर मुस्कान देने में दंत चिकित्सकों की अत्यंत भूमिका है। उहोंने चिकित्सकों से आहान किया कि इस दिशा में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं।

श्री साय ने कहा कि वर्षमान में प्रदेश का जी-एसडीपी 5 लाख करोड़ है, जिसे वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इस दिशा में हम पूरी निशा और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विस्तृत चर्चा करेंगे और उनके उपचार की दिशा में नए संभावनाओं के द्वारा खुलेंगे।

प्रदेश में पांच नई मेडिकल कॉलेजों की स्थीकृति के साथ अब कुल 15 मेडिकल कॉलेज होंगे। इसके अलावा बिलासपुर में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, 12 नए नर्सिंग कॉलेज और पांच फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजागरूक बहु-क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट और दुर्गम क्षेत्रों में लैपटॉप एक्सेलेस सेवा शुरू की जा रही है। उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ परे देश में सबसे अधिक कैशलेस इलाज सुविधा देने वाला राज्य बन चुका है।

कॉफेस में इडियन डैंटल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के प्रेसिडेंट डॉ. अरविंद कुमार, पर्व प्रेसिडेंट डॉ. राजेव सिंह, कॉफेस के चेयरमैन डॉ. वैष्णव तिवारी सहित बड़ी संख्या में देशभर से आए दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

दशाता है, जो भारत को अर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने अंत में कहा कि ज्ञानवान की मुस्कान सबसे कीमती है और उसे सुरक्षित रखने व सहेजने में दंत चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उहोंने कहा कि वर्षमान की जी-एसडीपी का माध्यम से दंत चिकित्सक मुँह और दाँत से जुड़ी बीमारियों पर विस्तृत चर्चा करेंगे और उनके उपचार की दिशा में नए संभावनाओं के द्वारा खुलेंगे।

प्रदेश में पांच नई मेडिकल कॉलेजों की स्थीकृति के साथ अब कुल 15 मेडिकल कॉलेज होंगे। इसके अलावा बिलासपुर में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, 12 नए नर्सिंग कॉलेज और पांच फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजागरूक बहु-क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट और दुर्गम क्षेत्रों में लैपटॉप एक्सेलेस सेवा शुरू की जा रही है। उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ परे देश में सबसे अधिक कैशलेस इलाज सुविधा देने वाला राज्य बन चुका है।

कॉफेस में इडियन डैंटल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के प्रेसिडेंट डॉ. अरविंद कुमार, पर्व प्रेसिडेंट डॉ. राजेव सिंह, कॉफेस के चेयरमैन डॉ. वैष्णव तिवारी सहित बड़ी संख्या में देशभर से आए दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

## अम्बेडकर अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में एक और विदेशी युवती का सफल ऑपरेशन

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। प्रदेश का सबसे बड़ा प्रिंटिंग चिकित्सा महाविद्यालय एवं इससे संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय लगातार अपनी उक्त कृष्ण चिकित्सा सेवाओं से ने केवल प्रदेश और देश बल्कि विदेशों से आए मरीजों का भी भरोसा जीत रहा है।

अम्बेडकर अस्पताल के सर्जरी विभाग की इन उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि सरकारी अस्पतालों की सेवाएँ ने केवल सुलभ और किफायती हैं बल्कि उक्त अस्पतालीय गुणवत्ता का प्रमाण है।



- 20 वर्षीय युवती के ब्रेस्ट के बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर की सफल सर्जरी
- ईरट अफ्रीका के देश रावंडा की रुबने वाली है मरीज
- इससे पहले लाइटलेम्बा, क्रिसेंट (दक्षिण अफ्रीका) की युवती का हो चुका है सफल उपचार

डॉ. मंजू सिंह के अनुसार वर्षमान में युवती पूरी तरह ठीक है और उसे अस्पताल से छुट्टी भी दी जा रही है। ऑपरेशन के संदर्भ में जानकारी देते हुए उहोंने बताया कि एक 20 वर्षीय विदेशी युवती लैपटॉप में दर्द की समस्या के साथ अस्पताल के ब्रेस्ट क्लिनिक में आई थी। जहां पर जांच के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विशेष प्रिंटिंग चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजू सिंह के विशेषता यह है कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद मरीज के भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इस सर्जरी का प्रतिकूल असर पड़ेगा।

डॉ. मंजू सिंह के अनुसार वर्षमान में युवती पूरी तरह ठीक है और उसे अस्पताल से छुट्टी भी दी जा रही है। ऑपरेशन के संदर्भ में जानकारी देते हुए उहोंने बताया कि एक 20 वर्षीय विदेशी युवती लैपटॉप में दर्द की समस्या के साथ अस्पताल के ब्रेस्ट क्लिनिक में आई थी। जहां पर जांच के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विशेष प्रिंटिंग चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजू सिंह के विशेषता यह है कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विशेष प्रिंटिंग चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजू सिंह के विशेषता यह है कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विशेष प्रिंटिंग चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजू सिंह के विशेषता यह है कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विशेष प्रिंटिंग चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजू सिंह के विशेषता यह है कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विशेष प्रिंटिंग चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजू सिंह के विशेषता यह है कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और पर्यावरणीयों पर विशेष प्रिंटिंग चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजू सिंह के विशेषता यह है कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इससे पहले लक्षणों को अवश्य करेंगे।

उहोंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है,







# भाजपा सरकार बिजली दर में बढ़ोतरी वापस ले : महंत बिजली हाफ योजना बंद करना जनता से बेमानी है

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। विणासभा में नेता प्रतिक्रिया डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, प्रदेश में बिजली की कीमतों में प्रति वर्ष 20 पैसे की बढ़ोतरी ने आप जनता के साथ-साथ राज्य के किसानों की भी कमर तोड़ दी है। इस वृद्धि ने घरेलू उपभोक्ताओं, उद्योगों और सरबसे महत्वपूर्ण रूप से, कषी क्षेत्र को सीधे प्रभावित किया है, जिससे राज्य की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ऊर्जा विभाग सर्वय मुख्यमंत्री विष्णुदेव सर्वय के पास है। ऊर्जा विभाग के वर्तमान आकड़े अनुसार एकल बत्ती 15-लाख 16-हजार 283, कृषि पर्याप्त करेशन 5-लाख 94-हजार 277, एल.टी. (घरेलू) करेशन

63-लाख 45-हजार 448, एच.टी. (व्यवसायिक) करेशन 3-हजार 8-सौ 99 है।

**मूल्य वृद्धि का कोई ठेकाण कारण नहीं है**

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, यह वृद्धि तब हुई है जब छत्तीसगढ़ कोयला और पानी जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समुद्र है। हमन केवल अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि इन संसाधनों को आपृति दूसरे राज्यों को भी करते हैं। ऐसे में बिजली मूल्य वृद्धि का कैही दोस्त कारण नहीं दिखता, मर्हाई के इस दौर आप जनता आर्थिक बोझ से परेशन है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हमारी 'बिजली हाफ योजना'



को बंद करने से जनता पर आर्थिक बोझ की दोहरी मार पड़ी है। एक तरफ, बिजली की कीमतें बढ़ाई गई हैं, वहाँ दूसरी तरफ रियायती योजना को लगभग खत्म कर दिया गया है, जिससे आम नागरिकों और किसानों

को मुश्किलों और भी बढ़ गई हैं बिजली दरों में लगातार हो रही वृद्धि ने घरेलू बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है और छोटे व्यवसायों को लगात कई गुना बढ़ गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमज़ोर हो गई है। इस अप्रत्याशित वृद्धि से आम नागरिकों में भारी असंतोष है, बिंकंप राज्य की खाद्य सुरक्षा को भी खतरे में डालती है।

जीवन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है।

**किसानों पर प्रभाव**

श्री महंत ने कहा कि, कृषि प्रधान राज्य होने के नाते, छत्तीसगढ़ के किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए बड़े पैमाने पर बिजली दर लागू करा। किसानों के लिए कृषि पंथों पर विशेष सब्सिडी या रियायती बिजली दर लागू करे। राज्य में बिजली उत्पादन और वितरण प्रणाली में सुधार किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी वृद्धि को रोका जा सके।

## दस सालों में पहली बार होगी सितंबर में मानसून की विदाई

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। प्रदेश में कई तीन माह तक बरसे मानसूनी बाढ़ोंने ने अब विदाई की राह पकड़ ली है दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई का शुरुआत पश्चिमी राजस्थान से 15 सितंबर से होने की संभावना है। इस वर्ष मानसून की विदाई की शुरुआत पिछले 10 सालों में पहले होने की संभावना बन रही है।

मौसम विभाग के अनुसार एक निम्न दाब का क्षेत्र पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश-दक्षिण तटीय उड़ीसा के ऊपर स्थित है तथा इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके पश्चिम उत्तर पर अपरिवर्तनीय बदलाव हुए दक्षिण उड़ीसा और उपरोक्त लगे उत्तर आंध्र प्रदेश तथा दक्षिण छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों में पहुँचने की संभावना है। मानसून द्रीणिका माध्यम सुमुद्र तल पर श्रीगंगानगर, रोहतक, सिवनी, ऊंचाई तक विस्तारित है।



प्रदेश में आज हल्की से मध्यम वर्षा होगी

प्रदेश में कल 14 सितंबर को अधिकारी स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गर्ज चमक के साथ छोड़ी पड़ने की संभावना है।

प्रदेश में एक दो स्थानों पर गर्ज चमक के साथ बज्जपात होने तथा भारी वर्षा होने की संभावना है। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः संयुग्म समुद्र तक जिले और बस्तर संभाग के जिले संभावित है।

## शेयर ट्रेडिंग के नाम पर रायपुर में लाखों की ठगी

दो महिलाओं ने ट्रायपोर्ट को ठगा

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। शेयर मार्केट में निवेश पर चार गुना मुश्किल देने का जांसा देकर राजधानी के ट्रायपोर्टर डॉक्टर भाक्षर सिंह से 71.50 लाख की अॉनलाइन ट्रायी हो गई ट्रायपोर्टर की सोशल मीडिया में श्रेय नाम की युवती से दोस्ती हुई उसने शेयर मार्केट की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

अब पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिससे ने जांच शुरू कर दी है जिस माध्यमे में सरकारी नगर पुलिस से जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक कोटा निवासी डॉके श्री सिंह 47 का ट्रायपोर्टर का कोरोबार है जून में उनके

सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रेय अग्रवाल की प्रैंटिंग से दोस्ती हुई उसने शेयर मार्केट की बातें शुरू की और जांसा दिया कि वह ऐसे प्लेटफॉर्म से जुड़ी है जिसमें निवेश करने पर मोटा मुनाफ़ होता है तउने कुछ स्क्रीनेशॉट भेजे और ट्रायपोर्टर युवती के जांसे में आ गया उन्होंने अलग अलग किश्तों में 19.50 लाख जमा कर दिया।

जराराज लापरवाही,

पीड़ित ने जांचांजी ले सकती हैं

ट्रायपोर्ट कोरोबारी की गहराई तक उन तमाम लोगों के लिए चेतावनी है जो सोशल मीडिया पर आए निवेश के अप्स को सच मान लेते हैं ठग पहले भरोसा तांडों की चाल थीं परिफर्म ऑनलाइन कॉन्फ्रेक्ट साइन करावाकर कोरोबारी से दो अगस्त से 31 अगस्त के बीच अलग अलग खातों में 52 लाख रुपए और जमा कर दिया।

युवतीयां बार-बार ट्रैक्स जमा करने का बाबत कारबाह कर रही हैं।

दूसरी बार में छह लाख देकर

भरोसा जीता

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि पहली टांग के कुछ दिन बाद एक

सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रेय अग्रवाल की प्रैंटिंग देकर बात कर रही है। अब अग्रवाल की बातें शुरू कर दिया।

पीड़ित ने जांचांजी ले सकती हैं

ट्रायपोर्ट कोरोबारी की गहराई तक उन तमाम लोगों के लिए चेतावनी है जो सोशल मीडिया पर आए निवेश के अप्स को सच मान लेते हैं ठग पहले भरोसा तांडों की चाल थीं परिफर्म ऑनलाइन कॉन्फ्रेक्ट साइन करावाकर कोरोबारी से दो अगस्त से 31 अगस्त के बीच अलग अलग खातों में 52 लाख रुपए और जमा कर दिया।

युवतीयां बार-बार ट्रैक्स जमा करने का बाबत कारबाह कर रही हैं।

दूसरी बार में छह लाख देकर

भरोसा जीता

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि पहली टांग के कुछ दिन बाद एक

सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रेय अग्रवाल की प्रैंटिंग देकर बात कर रही है। अब अग्रवाल की बातें शुरू कर दिया।

पीड़ित ने जांचांजी ले सकती हैं

ट्रायपोर्ट कोरोबारी की गहराई तक उन तमाम लोगों के लिए चेतावनी है जो सोशल मीडिया पर आए निवेश के अप्स को सच मान लेते हैं ठग पहले भरोसा तांडों की चाल थीं परिफर्म ऑनलाइन कॉन्फ्रेक्ट साइन करावाकर कोरोबारी से दो अगस्त से 31 अगस्त के बीच अलग अलग खातों में 52 लाख रुपए और जमा कर दिया।

युवतीयां बार-बार ट्रैक्स जमा करने का बाबत कारबाह कर रही हैं।

दूसरी बार में छह लाख देकर

भरोसा जीता

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि पहली टांग के कुछ दिन बाद एक

सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रेय अग्रवाल की प्रैंटिंग देकर बात कर रही है। अब अग्रवाल की बातें शुरू कर दिया।

पीड़ित ने जांचांजी ले सकती हैं

ट्रायपोर्ट कोरोबारी की गहराई तक उन तमाम लोगों के लिए चेतावनी है जो

# अनेकांतवाद हर व्यक्ति की आवश्यकता : मनीष सागर

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)। टैगेर नगर पटवा भवन की धर्मसभा में शनिवार को परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीष मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि व्यक्तवाद में आपको अनेकांतवादी बनाना होगा। अनेकांतवाद हर व्यक्ति की आवश्यकता है। वस्तु खुद अनेकांत है। इसलिए वस्तु को अनेक नजरिये से देखना है। वस्तु अनेक पक्ष वाली होती है। उसे एक तरह से नहीं समझा जा सकता। वकायदि अनेकांत वाला है तो श्रोता को भी अनेकांत वाला होना चाहिए। उपाध्याय भावांत ने कहा कि प्रमाणा के कथन को यदि एकत्र से ग्रहण कर लेंगे तो गड़बड़ हो जाएंगी। प्रमाणा के कथन को समझना होगा कि वह किस अपेक्षा से बोला गया है। इसलिए हमें जिनवाणी समझ में नहीं आती है। जिनवाणी को अनेकांत से सुनकर उस दृश्य को बनाना होगा। जब तक हम अनेकांत दृष्टि से नहीं समझेंगे, तब तक जिनवाणी समझ में नहीं आएंगी। उपाध्याय भावांत ने कहा कि सिद्धांत बनाने में कंजसी ना करें। सिद्धांत परिणाम बनाऊं। सिद्धांत सही बनेंगे तो आचरण में ला पाएंगे। सिद्धांत नहीं बनाएंगे तो आचरण में आएगा नहीं। लक्ष्य निर्धारित करना होगा। तभी



उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आप चलना शुरू करेंगे। जिनवाणी को समझने का प्रयास कर रहे। जिनवाणी को नहीं समझा तो असरकारी नहीं होगी। जैन धर्म के तीन मुख्य सिद्धांत अहिंसा, अनेकांत और तीसरा अपरिग्रह है।

उपाध्याय भावांत ने कहा कि अहिंसा को समझना थोड़ा आसान है और अपरिग्रह को भी समझा जा सकता है। अनेकांत को समझना कठिन हो जाता है। अहिंसा अर्थात् किसी को समझ पाएंगे।

सताना नहीं। किसी से हिंसा नहीं करना। वहीं जो हम वस्तु का संग्रह करते हैं। वस्तु के प्रति राग, इच्छाएं होती हैं यह परिग्रह है। इसके प्रति राग, इच्छाएं होती हैं यह अपरिग्रह है। अपरिग्रह को समझना इसलिए कठिन है। वस्तु खुद अनेकांत है। इसलिए वस्तु को अनेक नजरिये से देखना होता है। उस नजरिया से हम वस्तु को समझेंगे। तभी अनेकांत दृष्टि से हम वस्तु के अनेक गुण को समझ पाएंगे।

## तेरापंथ युवक परिषद की रायपुर में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव 17 को



### ◆ रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने रायपुर के 17 कलेक्शन सेंटरों तक जाएगी जागरूकता रैली

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में डोनेशन ड्राइव के अनुसार भवन नहीं रहा है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद 17 सितम्बर को पूरे देश में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव का आयोजन करेगा। इसके लिए, छत्तीसगढ़ में 100 से अधिक सेंटरों में रक्तदान किया जाएगा। रायपुर में 17 सेंटर्स रक्तदान के लिए

बनाए गए हैं। 17 सितम्बर को मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के पहले तेरापंथ युवक परिषद रायपुर राजधानी रायपुर के सभी 17 कलेक्शन सेंटरों के बीच जागरूकता रैली निकालेगी।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद का नाम सर्वाधिक रक्त संग्रहण में गिरिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो चुका है। एक बार फिर से नए कोरियोन रचने की तीरायी है। राजधानी रायपुर भी इस महा रक्तदान शिविरों का साथी बनाना। इस नेक कार्य के प्रति जागरूक फैलाने की भी शिविरों का साथी बनाना। इस नेक कार्य के विषेष प्रयास किया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्त की कमी को दूर करना और जलूसमंद मरीजों की मदद करना है। साथ ही रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पूरे समाज में इसका बढ़ चढ़कर सहयोग करने की सहमति दी है।

बनाए गए हैं।

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

राजधानी रायपुर में डोनेशन ड्राइव के अनुसार भवन नहीं रहा है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद 17 सितम्बर को पूरे देश में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव का आयोजन करेगा। इस अवसर पर हिंदी भाषा में उनका मानना है कि वे यह कार्य तब कर पाएंगे जब वे प्रशिक्षित हों जो लाशें को वे तीरायाँ हैं।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

रायपुर, 13 सितम्बर (देशबन्धु)।

हिंदी दिवस पर अमन का

पैगाम द्वारा विशेष संस्कृतिक

एवं सामाजिक कार्यक्रम

# रायपुर में गैंगवार, 5 युवक गिरफतार

**जहां मचाई थी दहशत, पुलिस ने हथकड़ी पहनाकर वहीं निकाला जुलूस**

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। राजधानी रायपुर में डीडी नगर थाने क्षेत्र में हुई गैंगवार के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार 11 सितंबर को हुए इन्हीं वारां में दो गुटों के बीच खुलेआम लाठी-डंडे और पथरों से हमला किया गया था। इतना ही नहीं एक पक्ष द्वारा दूसरे पर कार चढ़ाने का प्रयास भी किया गया था। इस घटना का बीड़ियों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ एं जिसके बाद पुलिस पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया। शनिवार को पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों वे बैठक राजी और दबे शुभम मिश्रा आयुष अग्रवाल और उमेश ठाकुर को गिरफतार कर लिया। गिरफतारी के बाद पुलिस ने आरोपियों को जुलूस भी निकाला। आरोपियों को घटनास्थल पर ले जाकर न केवल साक्षी किया गया था। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से कानून व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश देने



के लिए उन्हें जनता के सामने घमाया गया। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों से कानून व्यवस्था के बारे में लोग मौजूद थे। सीएसपी राजेश देवांग ने बताया कि

बीते दिनों डीडी नगर इलाके में इन आरोपियों ने बीच सड़क पर जमकर उपद्रव किया था। लाठी-डंडों और पथराव के जरिए आमजन का चैन और सुरक्षा भंग की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने बीड़ियों और अन्य सकृतों के आधार पर पहचान कर इन पांचों को गिरफतार किया है। देवांग ने सफर्का कि रायपुर पुलिस अपराधियों को किसी भी हाल में बेखोगी नहीं। कानून से खिलावाड़ करने वालों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

गैंगवाल है कि इस गैंगवार की पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। एं जिसमें दोनों पक्षों को बैकाबू हांकर दिसा करते और एक बाहर से हमला करने का प्रयास करते साफ़ देखा जा सकता था। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की थी और अब आरोपियों को गिरफतार कर सख्ती से पेश किया गया है।

## वाहन दुर्घटना में विवाद को लेकर जानेलवा हमला, 2 आरोपी हिरासत में

रायपुर, 13 सितंबर (देशबन्धु)। वाहन दुर्घटना को लेकर हुए विवाद के बाद जानेलवा हमले के मामले में पुलिस ने आरोपी युवकों को घोटाला दिया है। एं जिसके तलाश में पुलिस जुटी हुई है बताया गया। किसके प्रार्थी सुझीत सिंह ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर में रिपोर्ट दिया।



और उपके अन्य साथियों ने प्रार्थी को जन मारने की धमकी देकर आज तुझे खत्म कर देंगे कहा है। साथ में लड़के लड़कियों को शराब लेकर आने और अश्लील गतिविधियों में शामिल होने का खुला आमंत्रण दिया गया था। अब इस मामले में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है।

एसएसपी कार्यालय पहुंचे युवक हिरासत में लिये गए: जनकारी के मुताबिक इस मामले से जुड़े दो युवक आज अपनी सफर्का देने रायपुर एसएसपी कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया है।

कांग्रेस ने किया कड़ा विरोध: पोस्टर वायरल होने के बाद से जीर्णी राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने इसे लेकर खुलकर विरोध जाता है। उनका कहना है कि रायपुर जैसे संस्कृतिक और शृंति वायरल होने के अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एप्टी क्राइम एप्टर वार्ड यूनिट वायरल थाना न्यू राजेन्द्र नगर में आरोपियों के बिल्डिंग पर लागाया गया। महावीर नगर चौक न्यू राजेन्द्र नगर सिन्नल ट्रॉफी कर रहा था उसी समय श्याम नगर तेलीबांधा तफसी आ रहे एकीवा वाहन का चालक रंजीत सिंग निवासी महावीर नगर रायपुर के द्वारा रेड सिन्नल में लापावाही प्रवक्त अपनी वाहन के चालते हुए अस्वीन के ठोकर मारकर एकीवा ठोकर कर रहा था। एकीवा वाहन को पटक कर क्षतिग्रस्त कर दिये तथा रंजीत सिंग एवं उसके साथी अस्वीन सिंह के साथ लड़ाई झाँगड़ा कर विवाद कर रहे हैं। जिस पर प्रार्थी द्वारा योग्यता के बिल्डिंग पर लापावाही करने के बाद वाहन को पटक कर क्षतिग्रस्त कर दिये गये।

अलग-अलग नामों से प्रचारित हुआ पोस्टर: मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एट-दे-रेट साइन फूल वाइटर नामक अकाउंट से न्यू डंडी पार्टी का आपत्तिजनक विज्ञापन जारी किया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।

आरोपित युवक करिया उम्मील सिंह को धारा 376 और 506 वी दोनों आरोपों से बरी किया गया। उसकी जमानत की शर्तें भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 481 के तहत छह महीने तक प्रभावी रहेंगी ट्रायल कोर्ट का 9 सितंबर 2005 का दोषासङ्दिध अदेश निरस्त कर दिया गया।

पिता को जनकारी दी और फिर लिखित शिकायत पुलिस स्टेशन बसना में दर्ज कराई कोर्ट ने दिया यह निर्णय।





# जंगलेसर में भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी पर हमला, पुलिस ने 7 हथियार जब्त किए



राजनांदगांव, 13 सितंबर (देशबन्ध)। जिले के शात दिखने वाले जंगलेसर क्षेत्र में बीते रात एक सनसारीखेज वारदात ने लोगों को दहला दिया। भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी शत्रुघ्न लाल चंद्राकर पर आधा दर्जन से अधिक हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना उस समय हुई जब वे रोजाना की तरह मजदूरी का काम निपटाकर अपने घर लौट रहे थे। अचानक घात लगाकर बैठे आदत अपराधियों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला बोल दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षक्षर्दशीयों के अनुसार, शत्रुघ्न लाल चंद्राकर खर्ची बीर सिंह चंद्राकर के पुत्र हैं और उनकी बीरा रोजाना की तरह जंगलेसर स्थित अपने घर लौटे समय जैसे ही निदर्शन रात के मुड़न भवन के पास पहुंचे, तभी अचानक धमेंद्र चंद्राकर उर्फ पम्पी चंद्राकर निवासी जंगलेसर और लोकेश साहू निवासी लखोली अपने 5-6 साथियों के साथ वहां आ गए। अरोप है कि इन लोगों ने पहले उर्हे शराब के लिए रकम देने की मांग की। पैसे से इनकार करने पर अचानक उनके ऊपर धारदार हथियारों से हमला शुरू कर दिया गया।

घटना की सूचना पर असपास मौजूद लोग बचाने के लिए दौड़े, लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी धमकाया। दसरथ चंद्राकर, मुकेश, राकेश, शिव और रोशन ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो हमलावरों ने चाकू दिखाकर उर्हे डाने की कोशिश की। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया और लोग सहम गए। नीरमत रही कि सच्चना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को बाबू में लिया गया। अन्यथा परिणाम और भवायाह हो सकते थे।

हमले में शत्रुघ्न चंद्राकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उर्हे तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उचाचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि समय रहते इलाज मिलने से उनकी जान बच गई।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि धर्मेंद्र उर्फ

पम्पी चंद्राकर और उसके साथी लंबे समय से इलाके में आतंक मचाए हुए हैं। ये लोग आए, दिन लोगों को डारकर, धमकाकर और धमकाया हैं। कई बार छोटे-छोटे बिलावरों में भी वे हमला कर चुके हैं। गांव में इनकी गतिविधियों से लोग परेशान हैं, लेकिन डर के माहौल के कारण कोई खुलकर शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। पुलिस ने घटनास्थल की तलाशी के दौरान सात धारदार हथियार जब्त किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में आकेश व्याप है। भाजपा कार्यकार्ताओं और ग्रामीणों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपराधियों की खुले आम दबाव ही पर लगाने में प्रशासन को तुरंत कदम उठाने चाहिए। फिलाहाल घायल सोशल मीडिया प्रभारी अस्पताल में उपचाररत हैं और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। वहीं, इस हमले ने न केवल इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं बल्कि आम नागरिकों में भी भय का माहौल बना दिया है।

## जन्माष्टमी में दही हांडी फोड़ने के दौरान तीन साल पहले हुआ विवाद चंद मिनट में समाप्त

पिथौरा में लोक अदालत आयोजित



पिथौरा, 13 सितंबर (देशबन्ध)। आज से तीन साल पहले जन्माष्टमी के अवसर पर दही हांडी फोड़ने के दौरान लोगों ने एक बाप को लगाया था, देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आपस में लाठी डंडा चलने लगे लिहाजा गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। मामला पुलिस तक जा पहुंचा। तब पुलिस के हस्तपूर्ण से मामला शांत तो जरूर हो गया कि आपस में पाँच लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर पिथौरा के न्यायालय में मामला पेश किया था। आज आयोजित नेशनल लोक अदालत में पीठासीन अधिकारी सौरभ बारा के खंडोपीठ में मामले को रखा गया और दोनों पक्षों को बुला कर समझाइस दी गई। तथा आपस में भाईंचारा बना कर रहने हेतु कहा गया।

जिससे दोनों पक्ष सहर्ष तैयार हो गए परिणाम स्वरूप तीन सालों से चला आ रहा विवाद चंद मिनट में समाप्त हो गया दोनों पक्ष गले मिल कर घर चले गए। दूसरा मामला पांच वर्ष पुराना वर्ष 2020 का है ग्राम सोनारिस्ली में अड़ा ठेला लगाये जाने को ले कर विवाद हुआ है ने पक्ष की जात होती है। जात हो कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निराकरण के लिए पूर्व में बैठकें आयोजित की गई थीं और नियमों के अनुसार नियमित व्यवस्था के निराकरण की जात होती है। जात हो कि नियमों को पर लगाने में अधिक योग्यता दी गई है। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

श्री साहू ने आगे कहा कि मुक्तों के परिजनों को कम से कम 20-20 लाख रुपए की आर्थिक मदद की जाए और प्रत्येक परिवार के लिए एक अवधिकारी के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जाए। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

श्री साहू ने आगे कहा कि मुक्तों के परिजनों को कम से कम 20-20 लाख रुपए की आर्थिक मदद की जाए और प्रत्येक परिवार के लिए एक अवधिकारी के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जाए। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

जिससे दोनों पक्ष सहर्ष तैयार हो गए परिणाम स्वरूप तीन सालों से चला आ रहा विवाद चंद मिनट में समाप्त हो गया दोनों पक्ष गले मिल कर घर चले गए। दूसरा मामला पांच वर्ष पुराना वर्ष 2020 का है ग्राम सोनारिस्ली में अड़ा ठेला लगाये जाने को ले कर विवाद हुआ है ने पक्ष की जात होती है। जात हो कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जात होती है। जात हो कि नियमों को पर लगाने में अधिक योग्यता दी गई है। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

### सीमावर्ती जिलों तथा अन्य राज्यों तक आवागमन हुआ आसान

बालोद, 13 सितंबर (देशबन्ध)। राष्ट्रीय राजमार्ग 930 का झलमला से शेरपार तक का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही भारत सरकार के द्वारा पुरुष से झलमला तक शेष सड़क के निर्माण कार्य हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उर्हे ने बताया कि पुरुष से झलमला तक राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य की जारी हो गई है। श्री छारी ही इसका ढीपीआर तेवार कर लिया जाएगा। आज आयोजित नेशनल लोक अदालत में पीठासीन अधिकारी सौरभ बारा के खंडोपीठ में मामले को रखा गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 930 के रूप में नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का सौगात जिले के विवरण से अवधिकारी के निर्देश के साथ-साथ यह सम्भव हो गया है। बालोद जिले में एक और राष्ट्रीय राजमार्ग की जारी होने के बाद विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाएगा।

बालोद जिले में इस नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उर्हे ने बताया कि बालोद जिले के पुरुष से झलमला तक शेष सड़क के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जात होती है। जात हो कि नियमों को पर लगाने में अधिक योग्यता दी गई है। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

बालोद जिले में इस नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उर्हे ने बताया कि बालोद जिले के पुरुष से झलमला तक शेष सड़क के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जात होती है। जात हो कि नियमों को पर लगाने में अधिक योग्यता दी गई है। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

बालोद जिले में इस नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उर्हे ने बताया कि बालोद जिले के पुरुष से झलमला तक शेष सड़क के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जात होती है। जात हो कि नियमों को पर लगाने में अधिक योग्यता दी गई है। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

बालोद जिले में इस नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उर्हे ने बताया कि बालोद जिले के पुरुष से झलमला तक शेष सड़क के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जात होती है। जात हो कि नियमों को पर लगाने में अधिक योग्यता दी गई है। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

बालोद जिले में इस नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उर्हे ने बताया कि बालोद जिले के पुरुष से झलमला तक शेष सड़क के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जात होती है। जात हो कि नियमों को पर लगाने में अधिक योग्यता दी गई है। अधिकारी ने बताया कि यदि विवाद चंद मिनट में समाप्त हो जाए तो यह दर्दनाक घटना टाली जा सकती है।

बालोद जिले में इस नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उर्हे ने बताया कि बालोद जिले के पुरुष से झलमला तक शेष सड़क के नियमित व्यवस्था के नियमों को पर लगाने की जात होती है। जात हो कि नियमों को



# शास. महाविद्यालय पाठन में रजत जयंती पर विकसित छत्तीसगढ़ रोमिनार



पाठन, 13 सितंबर (देशबन्धु)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाठन में छत्तीसगढ़ राज्य स्थानीय विद्यालय के अध्यक्ष पर विकसित छत्तीसगढ़ 2047 विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा, जिला उपाध्यक्ष दिलीप साहू, नगर पंचायत एवं जनभागीदारी अध्यक्ष योगेश निकी भाले, मंडल अध्यक्ष श्रीमती राणी बंछोर, प्राचार्य डॉ. नदा गुरुवारा जी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष प्रवीण मंदिरिया ने मंच पर मंचासिन होकर सेमिनार को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वामित्व विद्यालय के छात्र-छात्राओं का दिलीप साहू ने कहा कि मुद्रा योजना, पीएम स्वनिधि

चरण है, जहाँ ऊर्जा, उत्पाद, नवाचार और कर्मशीलता अपने स्थान पर होती है। यदि इस क्षमता को सकारात्मक दिशा में लगाया जाए तो यह राज्य और राज दोनों की प्रतिक्रिया का सबसे मजबूत अधार बन सकती है। विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वामित्व विद्यालय के पारावार्य डॉ. नंदा गुरुवारा नीति (हथक 2020), आधुनिक पाठ्यक्रम, डिजिटल क्लासरूम और रिसर्च सुविधा, स्टार्टअप इंडिया, स्किल डेवलपमेंट, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, खेलो इंडिया, पर्ट इंडिया, युवा संसद कार्यक्रम, जैसे अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं चला रहे हैं। जिसका आप सभी लोगों का बढ़ा सकते हैं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री कौशल, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से लैस होकर चर्चकसित छत्तीसगढ़ और चर्चकसित भारतज के सपने को साकार कर सकते हैं। आप सब भारत की पहचान हैं और विकसित भारत की शासन है महाविद्यालय के पारावार्य डॉ. नंदा गुरुवारा जी ने सभी अतिथियों को अभिनन्दन कर स्वागत किया। प्राचार्य ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान कर हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर महाविद्यालय में विभिन्न आयोजन सम्पन्न हुआ है। महाविद्यालय में शिक्षा के साथ-झासाथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्निरंतर विभिन्न आयोजन सम्युद्धमय पर होता है। हस्से वे रेडकॉर्स माध्यम से भी विभिन्न आयोजन होता है इस अवसर पर केवलचन्द्र देवांगन, सागर सोनी, समीर बंछोर, आदित्य सर्वांगीण, विजयता वर्मा, चिरंजीव देवांगन, प्राध्यापकर्गण डॉ. डॉ. कै. भारद्वाज, जग्यत देवांगन, प्रवीण जैन, डॉ. साधा राहटगांवकर, अन्य प्राध्यापकर्गण व छात्र-छात्राएं प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

योजना के मध्यम से सरकार लोन प्रदान कर रही है जो स्वरोजगर प्रदान करने में मदद कर रहा है। आप सभी देश के बो पीढ़ी हैं जिसके पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। पहले जमाने का उदाहरण देकर बताया कि पहले स्कूल दूर होता था, मोबाइल गाड़ी नहीं होता था फिर भी लोग आते थे हम लोग पढ़ते थे तिग्र पंचायत पाठन एवं जनभागीदारी अध्यक्ष श्री योजना निकी भाले ने कहा कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं के बीच विभिन्न विषयों के कार्यालय ही नहीं, बल्कि वर्तमान में भी समाज और राष्ट्र के विकास की धूरी हैं। वे ज्ञान, कौशल, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से लैस होकर चर्चकसित छत्तीसगढ़ और चर्चकसित भारतज के सपने को साकार कर सकते हैं। आप सब भारत की पहचान हैं और विकसित भारत की शासन है महाविद्यालय के पारावार्य डॉ. नंदा गुरुवारा जी ने सभी अतिथियों को अभिनन्दन कर स्वागत किया।

प्राचार्य ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान कर हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देश पर महाविद्यालय में विभिन्न आयोजन सम्पन्न हुआ है। महाविद्यालय में शिक्षा के साथ-झासाथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्निरंतर विभिन्न आयोजन सम्युद्धमय पर होता है। हस्से वे रेडकॉर्स माध्यम से भी विभिन्न आयोजन होता है इस अवसर पर केवलचन्द्र देवांगन, सागर सोनी, समीर बंछोर, आदित्य सर्वांगीण, विजयता वर्मा, चिरंजीव देवांगन, प्राध्यापकर्गण डॉ. डॉ. कै. भारद्वाज, जग्यत देवांगन, प्रवीण जैन, डॉ. साधा राहटगांवकर, अन्य प्राध्यापकर्गण व छात्र-छात्राएं प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## खैरागढ़ में सूर्य रथ का शुभारंभ

घर-घर पहुंचेगा प्रधानमंत्री सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना का संदेश



खैरागढ़, 13 सितंबर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,000 की सहायता वही 2 किलोवाट सोलर प्लॉट पर 90,000 वही 3 सूर्य रथ मुफ्त बिजली योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कार्यालय परिसर, खैरागढ़ से सूर्य रथ का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह विशेष रथ जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को रूफटॉप सोलर प्लॉट पर 45,00









